UKExamAlert

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

Uttarakhand Public Service Commission

Haridwar : 249404

Under: Uttarakhand Combined State Civil / Lower Subordinate Services Examination
Under: Uttarakhand Secretariat | Various State Departments

UKPSC LOWER PCS EXAM

उत्तराखण्ड लोअर पीसीएस परीक्षा

(Combined State Civil / Lower Subordinate Services Examination)

This Document Contains

- Official Exam Pattern (Preliminary, Main, Personality Test)
- Prelims Syllabus – General Studies & General Aptitude Test (150 Marks)
- Mains Syllabus – Paper I: Language (General Hindi), Paper II: Essay, Paper III: General Studies First Paper, Paper IV: General Studies Second Paper (600 Marks)
- Personality Test (Interview) Details – 75 Marks

For latest updates, admit cards, results and notifications visit:

UKPSC lower Pcs - Notification Syllabus & Pattern overview

परिशिष्ट–02

उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा
परीक्षा योजना/पाठ्यक्रम

परीक्षा योजनाः– **प्रतियोगिता परीक्षा में क्रमवार निम्नलिखित स्तर सम्मिलित हैं यथा–**

(1) प्रारंभिक परीक्षा– केवल एक प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण (वस्तुनिष्ठ प्रकार की)

(2) मुख्य परीक्षा– लिखित परीक्षा (विषयपरक प्रकार की)।

(3) व्यक्तित्व परीक्षा (साक्षात्कार)।

1. प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

विषय	अधिकतम अंक	समय (घण्टे)	प्रश्नों की संख्या
सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण	150	02	150

नोटः–प्रारम्भिक परीक्षा के प्राप्तांक मुख्य परीक्षा के अंकों के साथ मैरिट निर्धारण हेतु नहीं जोड़े जायेंगे।

2. मुख्य परीक्षा– लिखित परीक्षा (विषयपरक)

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय (घण्टे)	प्रश्नों की संख्या
प्रथम प्रश्न पत्र	भाषा (सामान्य हिन्दी)	100	02	06
द्वितीय प्रश्न पत्र	निबंध	100	02	02
तृतीय प्रश्न–पत्र	सामान्य अध्ययन–प्रथम	200	03	20
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	सामान्य अध्ययन–द्वितीय	200	03	20
कुल अंक		**600**		

नोटः– भाषा (सामान्य हिन्दी) के प्रश्न–पत्र में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

3. व्यक्तित्व परीक्षा (साक्षात्कार) – 75 अंक।

उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

समय–2 घंटे **अधिकतम अंक–150**

खण्ड–1 : सामान्य अध्ययन

अधिकतम अंक–100 **कुल प्रश्न–100**

1 सामान्य विज्ञान एवं कंप्यूटर से संबंधित आधारभूत जानकारी : सामान्य विज्ञान एवं कंप्यूटर संचालन की आधारभूत जानकारी सम्बन्धी प्रश्न विज्ञान एवं कंप्यूटर की सामान्य समझ एवं दैनिक जीवन में इनके अनुप्रयोग, प्रेक्षण एवं अनुभव पर आधारित होंगे, जो कि ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षित हैं जिसका विज्ञान या कंप्यूटर की किसी भी शाखा में विशेष अध्ययन न हो।

2 भारत का इतिहास तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : भारत का इतिहास तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के अन्तर्गत प्रश्न; प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं की व्यापक जानकारी तथा भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन, राष्ट्रवाद के विकास एवं स्वतंत्रता प्राप्ति पर आधारित होंगे।

3 भारतीय राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था :भारतीय राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत प्रश्न; भारतीय राज्यव्यवस्था, संविधान, पंचायती राज और सामुदायिक विकास तथा भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नियोजन की व्यापक विशेषताओं की समझ पर आधारित होंगे।

4 भारत का भूगोल एवं जनांकिकी : इसके अन्तर्गत प्रश्न भारत के भौगोलिक पारस्थितिकीय और सामाजिक–आर्थिक जनांकिकीय पक्षों की व्यापक समझ पर आधारित होंगे।

5 सम–सामयिक घटनाएं :इसके अन्तर्गत प्रश्न समसामयिक उत्तराखण्ड राज्यीय तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं खेलकूद सहित की समझ पर आधारित होंगे।

6 उत्तराखण्ड का इतिहास : उत्तराखण्ड की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीनकाल (आरम्भ से 1200 ई0 तक): मध्यकाल (1200 से 1815 ई0 तक): प्रभावशाली राजवंश एवं उनकी उपलब्धियाँ, गोरखा आक्रमण एवं शासन, ब्रिटिश शासन, टिहरी रियासत एवं उसकी शासन व्यवस्था, स्वतंत्रता आन्दोलन में उत्तराखण्ड की भूमिका और इससे सम्बन्धित प्रमुख विभूतियाँ, प्रमुख ऐतिहासिक स्थल एवं स्मारक, उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन, उत्तराखण्ड के लोगों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में; विशेष रूप से सशस्त्र बलों में योगदान; विभिन्न समाज सुधार आन्दोलन

तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बच्चों, दलितों एवं महिलाओं हेतु उत्तराखण्ड शासन के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम।

7 उत्तराखण्ड की संस्कृति :जातियां एवं जनजातियां, धर्म एवं लोक विश्वास, साहित्य, लोक साहित्य, परम्पराएं एवं रीति–रिवाज, वेश–भूषा एवं आभूषण, मेले एवं त्यौहार, खान–पान, कला शिल्प ; नृत्य, गायन एवं वाद्य यंत्र, प्रमुख पर्यटन–स्थल, महत्वपूर्ण खेलकूद, प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार,उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध लेखक एवं कवि तथा उनका हिन्दी–साहित्यएवं लोक–साहित्य में योगदान, उत्तराखण्ड शासन द्वारा संस्कृति के विकास हेतु उठाए गए कदम।

8 उत्तराखण्ड का भूगोल एवं जनांकिकीः भौगोलिक स्थिति। उत्तराखण्ड हिमालय की प्रमुख विशेषताएं। उत्तराखण्ड में नदियां, पर्वत, जलवायु, वन संसाधन एवं बागवानी। प्रमुख फसलें एवं फसल चक्र। सिंचाई के साधन।कृषि जोतें। प्राकृतिक एंव मानव जनित आपदायें एवं आपदा प्रबन्धन। जल संकट और जलागम प्रबन्धन। दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याऐं। पर्यावरण एवं पर्यावरणीय आन्दोलन। जैव विविधता एवं इसका संरक्षण। उत्तराखण्ड की जनसंख्याः वर्गीकरण, धनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता एवं जनसंख्या पलायन।

9 उत्तराखण्ड का आर्थिक, राजनीतिक व प्रशासनिक परिवेश।

राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेशः–उत्तराखण्ड में गठित सरकारें एवं उनकी नीतियाँ, राज्य की विभिन्न प्रकार की सेवाएं, प्रदेश की राजनैतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, पंचायती–राज, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता।

प्रशासनिक व्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–गोरखा एवं ब्रिटिश शासन काल में भूमि सम्बन्धी व्यवस्थाएँ– जिला भूमि प्रबन्धन (थोकदारी, वन पंचायतें, सिविल एवं सोयम वन केशर हिन्द (बेनाप भूमि) नजूल, नयाबाद बन्दोबस्त)। आधुनिक काल–उत्तर प्रदेश एवं कुमाऊँ–उत्तराखण्ड जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम लागू होने के बाद भूमि–सुधार, लैंड टैन्योर में परिर्वतन, लगान वसूली व्यवस्था। राजस्व पुलिस–व्यवस्था।

आर्थिक परिवेशः– सीमान्त जनपदों का प्राचीन काल में तिब्बत से व्यापार एवं व्यापार की वर्तमान स्थिति, स्थानीय कृषि, पशुपालन, कृषि जोतों की अलाभकर स्थिति व चकबंदी की आवश्यकता, बेगार तथा डडवार प्रथा।

10 आर्थिक व प्राकृतिक संसाधनः–मानव संसाधन,प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था एवम् प्रमुख शिक्षण संस्थान; वन, जल, जडी–बूटी, कृषि, पशुधन, जल–विद्युत, खनिज, पर्यटन, उद्योग (लघु व ग्रामीण) संसाधनों के उपयोग की स्थिति।

उत्तराखण्ड में गरीबी व बेरोजगारी, उन्मूलन व आर्थिक विकास की दिशा में चलाई जा रही विभिन्न योजनाएँ/आर्थिक क्रियायें एवं इनका राज्य जी0 डी0 पी0 में योगदान, उत्तराखण्ड में

विकास की प्राथमिकतायें व नियोजन की नवीन रणनीति तथा समस्याएँ। उत्तराखण्ड में विपणन की सुविधाएं तथा कृषि मन्डियां, उत्तराखण्ड के बजट की प्रमुख विशेषताएँ।

खण्ड–2 : सामान्य बुद्धि परीक्षण

अधिकतम अंक–50 **कुल प्रश्न–50**

1 सामान्य बुद्धिमता : इसके अन्तर्गत प्रश्न सामान्य बुद्धिमता से संबंधित जैसे शाब्दिक और गैर–शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न होंगे और इसमें सादृश्यों, समानताओं तथा अंतरों, स्थानिक कल्पना, समस्या, समाधान, विश्लेषण, निर्णय लेना, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंकगणितीय तर्क, शाब्दिक एवं चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला आदि सम्मिलित होंगे। इसमें अभ्यर्थी की योग्यता का सामान्य विचार और संकेत और उनके संबंध, अंकगणितीय गणना तथा अन्य विश्लेषणात्मक कार्य आदि के प्रश्न भी शामिल होंगे।

सामान्य हिन्दी

अधिकतम 100 अंक **समयावधि – 2 घंटे**

1– वर्ण एवं शब्द

स्वर एवं व्यंजन वर्ण, सन्धि एवं भेद, समास एवं भेद, उपसर्ग एवं प्रत्यय, व्याकरणिक कोटियाँ–(संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण तथा अव्यय) अंकः–10

2– शब्द रचना और अर्थ

पर्यायवाची शब्द, विलोम अथवा विपरीतार्थक शब्द, शब्द–युग्म, (समोच्चरितप्राय भिन्नार्थक शब्द) वाक्य या वाक्यांश के लिए एक शब्द, तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्द अंकः–15

3–वाक्य रचना

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के मुख्य अवयव, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद (अर्थ एंव रचनागत) वाक्यांतरण, शब्द एवं वाक्य शुद्धिकरण, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे (अर्थ एवं प्रयोग) अंकः–10

4–अपठित या पाठवोधन

अपठित गद्यांश पर आधारित भाषाबोध एवं व्याकरण विषयक पाँच प्रश्न

अंकः–5×3=15

5– संक्षेपण

शीर्षक, सारांश एवं रेखांकित अंश की व्याख्या

शीर्षक–3 अंक

सारांश–6 अंक

रेखांकित की व्याख्या–6 अंक

अंकः–15

6–हिन्दी आलेखन

(क) सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, परिपत्र, अनुस्मारक (स्मरण पत्र) कार्यालय–आदेश, कार्यालय–ज्ञापन, अधिसूचना, रिपोर्ट या प्रतिविदेन।

अंकः–15

(ख) अंग्रेजी–गद्यांश का हिन्दी अनुवाद

हिन्दी–गद्यांश का अंग्रेजी अनुवाद

अंकः–10+10= 20

निबंध

अधिकतम अंकः 100 **समयः 2 घंटे**

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' होंगे। प्रत्येक खण्ड से निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 700 शब्दों का निबंध लिखना होगा :

खण्ड–अ

1. साहित्य एवं संस्कृति।
2. सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विषय।
3. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय विषय।
4. राष्ट्रीय विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित नीतियाँ।
5. पर्यावरण एवं प्राकृतिक आपदा (भू–स्खलन, जलप्रलय, सूखा एवं भूकंप आदि)

खण्ड–ब

1. उत्तराखंड का ऐतिहासिक, कलात्मक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य।
2. उत्तराखंड की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संरचना।
3. उत्तराखंड में पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन।
4. उत्तराखंड में महिलाओं की आर्थिक एवं राजनैतिक भूमिका तथा महिला सशक्तिकरण।
5. उत्तराखंड का आर्थिक एवं भौगोलिक परिदृश्य एवं पर्यटन। उत्तराखंड में पलायन की समस्या।

सामान्य अध्ययन–प्रथम प्रश्न–पत्र

अधिकतम 200 अंक **समयावधि – 03 घंटे**

भारत का इतिहास, कला, संस्कृति एवं समाज

विभिन्न कला आयाम, प्राचीन से आधुनिक भारत तक– उनके महत्वपूर्ण तत्व। साहित्य, चित्रकला, संगीत।

भक्ति आन्दोलन, सूफी मत का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव। प्रमुख व्यक्तित्व।

सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन तथा उनका भारतीय जन तथा जनजीवन पर प्रभाव।

भारतीय स्थापत्य कला – प्रमुख भवन, उनकी विशेषताएं।

प्राचीन भारतीय इतिहास–महत्वपूर्ण शासक तथा उनका योगदान।

मध्यकालीन भारत–महत्वपूर्ण शासक, उनकी नीतियाँ, तथा आधुनिक भारत में संक्रमण (मुस्लिम शासन के पतन के विभिन्न कारण, उथल–पुथल की स्थिति तथा आधुनिक भारत में संक्रमण)।

आधुनिक भारत

- भारत में विदेशी शक्तियों के मध्य सत्ता संघर्ष, अंग्रेजों का भारत में उदय, उनकी नीतियाँ तथा उसका भारत तथा भारतवासियों पर प्रभाव, प्रमुख अंग्रेज शासक।
- अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों का प्रभाव।
- धन की निकासी (भारत से)।
- रेल तथा अन्य संचार माध्यमों की स्थापना, क्या इन सेवाओं ने ब्रिटिश आर्थिक हितों को साधा।
- शिक्षा की प्रगति, भारतीय शिक्षा नीति के प्रति अंगेजी दृष्टिकोण।
- अफगानिस्तान, बर्मा, तिब्बत के प्रति अंग्रेजी नीति। भारत तथा विश्व पर इसका प्रभाव।
- देशी भारतीय शासकों के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध।
- सहायक सन्धि, व्यपगत का सिद्वान्त जैसी नीतियाँ, अंग्रेजों के उदेश्य तथा बाद के प्रभाव।

स्वतन्त्रता आन्दोलन

- भारत में पुर्नजागरण तथा इसका राष्ट्रीय आन्दोलन पर प्रभाव।
- महात्मा गांधी का राष्ट्रीय पटल पर पर्दापण।
- राष्ट्रीय आन्दोलन के विभिन्न आयाम–असहयोग आन्दोलन से केबिनेट मिशन तक।
- भारत के विभिन्न भागो से आम जनता की भागीदरी।

- कृषक तथा जनजातीय आन्दोलन जिन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन को गति दी।
- प्रमुख व्यक्तित्व जिन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन को आधार प्रदान किया, उनकी विचारधारा।
- विभाजन– परिस्थितियां तथा कारण।

स्वतन्त्रता पश्चात भारत के समक्ष चुनौतियाँ

- आर्थिक चुनौतियाँ।
- सामाजिक तथा सांस्कृतिक प्रोत्साहनों से भारत का निर्माण।
- पंच–वर्षीय योजना का लागू होना तथा कालान्तर में नीति आयोग की स्थापना।

उत्तराखण्ड का इतिहास, कला, संस्कृति एवं समाज

उत्तराखण्ड का इतिहास : प्रागैतिहासिक तथा आद्य–ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (पाषाण कालीन उपकरण, चित्रित धूसर मृद्भांड संस्कृति, महापाषणिक संस्कृति), उत्खनित पुरातात्विक स्थल, उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक अतीत के इतिहास के स्त्रोत(साहित्यिक, पुरातात्विक, मौखिक,) प्राचीन जनजातियां तथा समुदाय, कुणिन्द तथा यौधेय राजवंश, कत्यूरी, परमार तथा चंद राजवंश का प्रशासन तथा सांस्कृतिक उपलब्धियां, उत्तराखण्ड के शासकों का सिक्खों, दिल्ली के शासकों, नेपाल तथा सिरमौर के साथ मध्यकाल में संबंध, गोरखों का आक्रमण तथा प्रभाव, प्रशासन तथा दास व्यापार। यूरोपीय यात्रियों, सर्वेक्षकों तथा ईसाई धर्म प्रचारकों का आगमन, सैन्य छावनियों की स्थापना तथा सामाजिक प्रभाव, औपनिवेशिक भू तथा भू–राजस्व प्रशासन, वानिकी तथा आबकारी नीति। क्षेत्रीय राजनीतिक संस्थाएं, प्रेस तथा पत्रकारिता। आर्य समाज तथा शुद्धीकरण आन्दोलन, लोकप्रिय जन–प्रतिरोध–कुली–बेगार, डोला–पालकी, गाडी–सडक, वन आन्दोलन। उत्तराखण्ड में गांधी का आगमन(1915, 1929ई0) तथा जनसंपर्क। गांधीवादी आन्दोलनों की स्थानीय तथा लोकप्रिय सहभागिता। इंडियन नेशनल आर्मी(आई0एन0ए0) तथा इसका समर्थन आधार, टिहरी रियासतः प्रशासन, ढंढक, प्रजामंडल आन्दोलन तथा भारतीय संघ में विलय, उत्तराखण्ड में पृथक राज्य निर्माण हेतु संघर्ष।

धार्मिक जीवन तथा पंथ (शैव मत, वैष्णव, बौद्ध, जैन, नाथ, लकुलीश), मंदिर स्थापत्य– प्रकार तथा विशेषताएं, पाषाण कला, धातु कला, काष्ठ कला, परंपरागत ज्ञान पद्धति तथा स्थापत्य, चित्रण कला, संगीत, नृत्य तथा गीत। जलीय, स्थापत्य–कूप, नौला, खाल तथा घराट। लोक देवता, जागर, पांडव लीला। वेश–भूषा तथा आभूषण, मेले तथा त्यौहार, तीर्थस्थल तथा पर्यटक केन्द्र– कुम्भ मेला, चार–धाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, नानकमत्ता, कैलास मानसरोवर, पिरान कलियर, नंदा राजजात यात्रा, लोक–वाद्य, खान–पान तथा स्थानीय व्यंजन, उत्तराखण्ड की महान विभूतियां(आध्यात्मिक संत, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक तथा कलाकार), गढवाली तथा कुंमाऊँनी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सरकार के प्रयास।

भारतीय संविधान और राजव्यवस्था एवं प्रशासनिक व्यवस्था

भारतीय संविधान का विकासः इतिहास और संविधान सभा बहस; मुख्य विशेषताऐं; प्रस्तावना और बुनियादी संरचना; संशोधन प्रक्रियाएँ और संशोधन अधिनियम।

अधिकार और कर्तव्यः नागरिकता; मौलिक अधिकार; राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत; मौलिक अधिकारों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के बीच संबंध; और मौलिक कर्तव्य।

संघ और राज्य कार्यपालिकाः राष्ट्रपति; प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद–शक्तियाँ और कार्य; राज्यपाल; मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद–शक्तियाँ और कार्य।

संघ और राज्य विधानमंडलः भारतीय संसद–शक्तियाँ और कार्य; राज्य विधानमंडल–शक्तियाँ और कार्य।

भारतीय न्यायपालिकाः सर्वोच्च न्यायालय–संरचना, शक्तियाँ और कार्य; उच्च न्यायालय–संरचना, शक्तियाँ और कार्य; न्यायिक समीक्षा; और न्यायिक सक्रियता।

भारत में चुनाव और राजनीतिक दलः राष्ट्रीय और राज्य दल; भारत का चुनाव आयोग; चुनावी कानून; आदर्श आचार संहिता; और दलबदल विरोधी कानून; और चुनावी सुधार उपाय।

भारतीय संघीय संरचनाः केंद्र–राज्य संबंध– विधायी, वित्तीय और प्रशासनिक; पंचायती राज और नगरपालिका संस्थाएँ।

संवैधानिक निकाय और प्रशासनिक नियंत्रण तंत्रः संवैधानिक पदाधिकारी; प्रशासन पर संवैधानिक, विधायी और न्यायिक नियंत्रण।

प्रशासनिक प्रणाली और प्रशासनिक सुधारः नीति आयोग; विभिन्न अधिकरण;ई–गवर्नेंस; लोकपाल; सूचना का अधिकार (आर टी आई); शिक्षा का अधिकार (आर टी ई); सार्वजनिक सेवाओं का अधिकार; नागरिक चार्टर; मंत्रालय और विभागों की भूमिका; प्रशासनिक सुधार आयोग (ए आर सी) की सिफारिशें।

राष्ट्रीय एकीकरण और चुनौतियाँः उग्रवाद; आंतरिक सुरक्षा; अंतर–राजकीय विवाद।

उत्तराखंड की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

उत्तराखंड की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्थाः संरचना और प्रक्रियाएँ।

उत्तराखंड में विधान सभाः शक्तियाँ और कार्य।

उत्तराखंड में न्यायपालिका: उच्च न्यायालय और निचली अदालत के न्यायाधीशों की नियुक्ति–एवं शक्तियाँ और कार्य; लोक अदालत; उत्तराखण्ड लोक सेवा अधिकरण; लोकायुक्त; और न्यायिक हस्तक्षेप।

उत्तराखंड में राजनीतिक दल: चुनाव, नेतृत्व, दलबदल विरोधी कानून, राजनीतिक भागीदारी और जवाबदेही।

उत्तराखंड में स्थानीय स्वशासन: पंचायती राज संस्थाएँ (पी आर आई) और शहरी स्थानीय निकाय; राज्य निर्वाचन आयोग की भूमिका।

उत्तराखंड में सामाजिक मुद्दे और समकालीन समस्याएँ: राजनीतिक और नेतृत्व के मुद्दे; भ्रष्टाचार की समस्या; नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका; शराब विरोधी आंदोलन, उत्तराखंड में अल्पसंख्यकों, महिलाओं और कमजोर वर्गों की समस्याएँ; जलवायु परिवर्तन; बिजली परियोजनाओं से झील और बादल फटने का खतरा; अवैध खनन; मानव–पशु संघर्ष; मानव तस्करी एवं मादक पदार्थ सेवन दोष।

उत्तराखंड में प्रशासनिक सेवाएं और नियंत्रण: उत्तराखंड सेवा का अधिकार अधिनियम, 2011; सामाजिक अंकेक्षण; नागरिक चार्टर; सतर्कता अधिष्ठान उत्तराखंड।

उत्तराखंड में सामाजिक योजना क्षेत्र: महिला एवं बाल; स्वास्थ्य और कल्याण; शिक्षा और कौशल; व्यवसाय और उद्यमिता; कृषि, ग्रामीण और पर्यावरण; बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा; आवास और आश्रय; कौशल और रोजगार; खेलकूद एवं संस्कृति।

उत्तराखंड में राष्ट्रीय बुनियादी सेवा योजनाएं: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन; उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (यू.रे.डा); उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन; महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना; वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना; राष्ट्रीय उद्यमिता त्वरण परियोजना(आर.ई.ए.पी.); उत्तराखंड कौशल विकास मिशन, 2013 (यूके एस डी एम); दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास (होम स्टे) योजना।

सामाजिक समावेशन के लिए सरकार की पहल: उत्तराखंड लोक सेवा (आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 2019; उत्तराखंड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम, 2022; राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के लिए सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण; और हाशिये पर पड़े और अन्य सामाजिक/आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित अधिनियम; राज्य समान नागरिक संहिता।

सामान्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण

सामान्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के अन्तर्गत विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण की समझ एवं अनुप्रयोग जिसमें दैनिक–जीवन के प्रेक्षण एवं अनुभव पर ऐसे प्रश्न होंगे, जिनकी किसी भी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण की किसी भी विशेष शाखा का विशेष अध्ययन न किया हो।

विश्वव्यापी पर्यावरणीय मुद्दे (जैसे वायु–प्रदूषण, वायुमंडलीय–प्रदूषण एवं जल–प्रदूषण) एवं इन पर नियंत्रण हेतु समाधान, ग्रीन–हाऊस प्रभाव एवं विश्वव्यापी उष्णता, समताप–मंडल में ओजोन अवक्षय, जंगलों का निम्नीकरण, वनोन्मूलन एवं कार्बन अवशोषण।

जैव–प्रौद्योगिकी के सिद्धांत, मनुष्य के स्वास्थ्य एवं खाद्य–उत्पादन के क्षेत्र में जीवन–स्तर के सुधार के लिए जैव–प्रौद्योगिकी का उपयोग।

संक्रमण वाली जीवन–शैली और इसकी रोकथाम, मनुष्य के विकास हेतु पोषण संबंधी आवश्यकताएं, पशुओं, पक्षियों और पौधों में होने वाली बिमारियाँ और उनकी रोकथाम।

पॉलिमर (बायोपॉलिमर और बायो प्लास्टिक) और समाधान, मौलिक पर्यावरण रसायन विज्ञान, मृदा प्रदूषण और उनका उपचार, जीवन की उत्पत्ति, जैविक विकास एवं रासायनिक विष–विज्ञान, हरित रसायन के सिद्धांत और उनके उत्पाद, आनुवंशिक विकार।

बल, ऊर्जा, प्रकाश, विद्युत, चुम्बकत्व, अर्द्धचालक, नाभिकीय ऊर्जा, खगोल भौतिकी एवं दैनिक जीवन में इनके अनुप्रयोग।

कंप्यूटर के मूलभूत तत्व, इसके घटक और दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोग, सूचना प्रौद्योगिकी के मूलभूत तत्व, इसके अनुप्रयोग और इसका दैनिक जीवन पर प्रभाव, वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रेडशीट और प्रेजेंटेशन सॉफ्टवेयर के उपयोग, इंटरनेट और ईमेल के उपयोग, साइबर अपराध और साइबर कानून के मूलभूत तत्व, ई–गवर्नेंस के मूलभूत तत्व एवं इसके अनुप्रयोग, उत्तराखण्ड में ई–गवर्नेंस से संबंधित पहलू।

मानवीय मूल्य, कार्य संस्कृति एवं सिविल सेवा अभिरूचि

मानवीय मूल्य : प्रकृति, प्रकार, महत्व एवं विशेषताऐं, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शिक्षा की भूमिका।

कार्य संस्कृति : अवधारणा, कार्य संस्कृति के दृष्टिकोण, प्रभावी निष्पादन के लिए कार्य संस्कृति, प्रशासन में कार्य संस्कृति की भूमिका।

अभिवृत्ति : अवधारणा, संरचना, कार्य एवं इसकी शासन में उपयोगिता।

अभिरूचि : अर्थ, सार्वजनिक सेवाओं में अभिरूचि एवं बुनियादी मूल्यों की भूमिका–सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, वस्तुनिष्टता, समानभूति और समर्पण

संवेगात्मक बुद्धि : अवधारणा, प्रशासन और शासन में इसका अनुप्रयोग।

लोक/सिविल सेवाएं : लोक प्रशासन में मूल्य और नैतिकता–सरकारी और निजी संस्थानों में चिंताए और दुविधाएँ, सार्वजनिक संगठनों में नैतिक मुद्दे।

शासन में ईमानदारी : अर्थ, विशेषताएँ, शासन में नैतिकता एवं नैतिक मूल्यों की कमी। सरकार में सूचना का आदान –प्रदान और पारदर्शिता।

भारतीय नैतिक विचारकों एवं दार्शनिकों का योगदान : महात्मा गाँधी, बी0आर0 अम्बेड़कर, स्वामी विवेकानन्द, रबिन्द्र नाथ टैगोर, ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम।

उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)

सामान्य अध्ययन– द्वितीय प्रश्न–पत्र

अधिकतम 200 अंक **समयावधि – 03 घंटे**

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल विशेषताएं, राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय–अर्थ एवं रूझान, क्षेत्रीय संघटन एवं संरचनात्मक परिवर्तन, संधारणीय विकास की समस्याएं, मानव विकास सूचकांक, समावेशी वृद्धिः मुददे तथा नीतिगत पहल, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण।

भारत में आर्थिक नियोजनः उददेश्य, रणनीति, उपलब्धियाँ एवं सीमाएं, नीति आयोग का औचित्य, उददेश्य एवं कार्य, क्षेत्रीय असमानता, निर्धनता, आर्थिक असमानता, मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारीः अर्थ, कारण, प्रभाव एवं नीतिगत पहल।

कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं कीमतों का रुझान, व्यावसायिकता एवं विविधीकरण, सांस्थानिक व प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, कृषि मूल्य, नीति, ग्रामीण साख : मुददे, प्रगति एवं नीतिगत पहल, खाद्य सुरक्षाः अर्थ, मुददे, प्रगति, नीतिगत पहल कृषि सब्सिडी–मुददे, समस्यांए, प्रभाव एवं नीतिगत पहल, भारत में औद्योगिक उत्पादनः: रुझान, संयोजन, औद्योगिक नीति तथा आर्थिक प्रगति पर इसका प्रभाव, MSME की भूमिका, विनियोग : चुनौतियां एवं नीति।

भारत में कर संरचना, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अवधारणा, विशेषताएं, प्रगति एवं सीमाएं, राजकोषीय संघवाद, राजकोषीय नीति तथा सुधार, वर्तमान केन्द्रीय बजट की मुख्य विशेषताएं, कालाधन– अर्थ, मुद्दे, माप, नीतिगत पहल, भारत के विदेशी व्यापार की दिशा, रुझाान तथा संयोजन; भारत के विदेशी व्यापार में नीतिगत सुधार, भारत का भुगतान संतुलन, प्रदर्शन तथा नीतियाँ, भारत तथा आर्थिक अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं, संगठन एवं समूह, सार्वजनिक़ ऋण–मुददे व प्रबन्धन, भारत के वित्तीय क्षेत्र में सुधार, डिजिटल भुगतानः मुददे, प्रणाली, प्रभाव, नीतिगत पहल, वित्तीय समावेशन, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति।

भारत की विषद जनांकिकीय विशेषताएं, पलायन एवं आर्थिक विकास, नगरीकरण से जुड़े विषय, भारत में अधःसंरचना क्षेत्रः प्रगति के चालक, एवं नीतिगत पहल।

उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था

उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था की विशेषतांए, राज्य सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय, संरचनात्मक परिर्वतन, प्राकृतिक एवं मानव संसाधन, जनसंख्या एवं जनांकिकी, वन सम्पदा, ऊर्जा, कृषि एवं पशु सम्पदा। जल संसाधन व ऊर्जा विकास, प्राकृतिक आपदाएं, जड़ी–बूटी तथा खनिज।

व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योगः अन्तर्राज्यीय व्यापार, विनिर्माण, भारी, मंझोले, लघु तथा कुटीर उद्योगों का विकास। परिवहनः सड़कें, रेलवे, विमानपत्तन योजनाएं एवं चुनौतियाँ।

सार्वजनिक वित्तः बजट, राजकोषीय नीति एवं सुधार, कर एवं कराधान, सार्वजनिक आय एवं वित्तीय घाटा, सार्वजनिक व्यय एवं ऋण।

मानव विकासः मानव विकास सूचकांक, शिक्षा व्यवस्था एवं साक्षरता, निर्धनता एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम, बेरोजगारी एवं रोजगार योजनाएं/कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पेंशन एवं बीमा, समाज कल्याण एवं सरकारी योजनाएं, विस्थापन तथा पलायन, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण।

कृषि एवं ग्राम्य विकासः मुख्य फसलें, फल उत्पादन, पशुपालन, कृषि जोत एवं भूसुधार, कृषक कल्याण, पंचायतीराज, सामुदायिक विकास तथा सहकारी आंदोलन, प्रौद्योगिकी परिर्वतन, कृषि विपणन, न्यूनतम समर्थन मूल्य, एवं ग्राम्य विकास योजनाएं।

बैंकिग एवं वित्तः समकालीन परिदृश्य, बैंकिग का विकास, बैंकिंग का राज्य जीडीपी में योगदान, समावेशी वित्त, ग्रामीण साखः चुनौतियाँ एवं नीतियाँ।

पर्यटन एवं तीर्थाटनः पर्यटन व तीर्थाटन का आर्थिक विकास में योगदान, धार्मिक पर्यटन का आर्थिक महत्व, पर्यटन विकास की योजनाएं।

भारत का भूगोल एवं जनांकिकी

इसके अन्तर्गत प्रश्न भारत के भौगोलिक एवं जनांकिकीय पक्षों की व्यापक समझ पर आधारित होंगे। निम्नलिखित शीर्षकों पर प्रश्न पूछे जायेंगे :–

- भारत की भौगोलिक विशेषताएं।
- भौमिकीय तंत्र एवं संरचना।
- उच्चावच, अपवाह एवं नदियों को आपस में जोड़ना।
- जलवायुविक गुण– एल–निनो, ला–निना, दक्षिणी दोलन, पश्चिमी विक्षोभ, जलवायु परिवर्तन के परिणाम।
- मृदा क्षरण एवं वनोन्मूलन।
- वन, वन उत्पाद, वन्य जीव अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, जैव विविधता हाट–स्पाट।
- पर्यावरणीय समस्याएं एवं पारिस्थितिक मुद्दे।
- भारत की अर्न्तराष्ट्रीय सीमाएं एवं उससे संबंधित भू–राजनैतिक मुद्दे।
- भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएं, कृषि आधारित क्रिया–कलाप, भूमि सुधार, बंजर भूमि की समस्याएं एवं उनका पुनर्ग्रहण।
- खदान एवं खनिज, ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा संकट, ऊर्जा विकल्प की खोज।

- भारत में औद्योगिक विकास।
- प्रमुख परिवहन गलियारे, नागरिक उड्डयन एवं जल परिवहन की समस्याएं और सम्भावनाएं।
- भाारत के आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएं।
- भारत में प्राकृतिक आपदाएं एवं प्राकृतिक चरम घटनाएं।
- भौतिक एवं जनांकिकीय विशेषताओं के आधार पर क्षेत्रीय चेतना एवं राष्ट्रीय एकता, केंद्र–राज्य संबंध का भौगौलिक आधार।
- भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, जनांकिकीय गुण, निर्भरता अनुपात, प्रवासन (अंतः प्रादेशिक, प्रदेशांतर एवं अर्न्तराष्ट्रीय)।

उत्तराखण्ड का भूगोल, जनांकिकी एवं आपदा प्रबंधन

- भौगोलिक स्थिति एवं उत्तराखण्ड का भू–राजनैतिक महत्व।
- उत्तराखण्ड हिमालय की उत्पत्ति, उत्तराखण्ड हिमालय के भौतिक विभाग और विभिन्न भौतिक विभागों में मानव बसाव के लिये उत्तरदायी कारक।
- प्रमुख नदियाँ एवं उनका भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पर्यावरणीय और धार्मिक महत्व।
- प्रमुख पर्वत एवं उनका भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, और धार्मिक महत्व।
- जलवायु एवं जलवायु विविधता के कारण एवं प्रभाव।
- वन–संसाधन एवं वन–प्रकारों को प्रभावित करने वाले कारक, वन विविधता एवं भौतिक बनावट, ऊँचाई कटिबन्ध एवं जलवायु दशाऐं, वन संसाधन एवं आर्थिक विकास, वन–संसाधनों का संरक्षण।
- उद्यानिकी विकास एवं उत्तरदायी भौगोलिक कारक तथा जलवायुविक विविधता, उद्यानिकी की चुनौतियाँ।
- प्रमुख फसलें एवं फसल विविधता के लिये उत्तरदायी भौगोलिक कारक और जलवायुविक परिवर्तनशीलता, फसल चक्र के कारण एवं प्रभाव।
- सिंचाई के साधन एवं उनके विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सिंचाई की प्रमुख परियोजनाएं, सिंचाई योजनाएं, लघु सिंचाई।
- कृषि जोत के प्रकार एवं कारण।
- प्राकृतिक एवं मानव–जनित आपदाएं और आपदा प्रबन्धन प्रकार, कारण और उनका मानव जीवन पर प्रभाव, प्राकृतिक एवं मानव–जनित आपदाओं में आपदा–प्रबन्धन की भूमिका प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं का मानव जीवन और पर्यावरण पर प्रभाव, आपदा के प्रभाव के न्यूनीकरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार के प्रयास।

- जलसंकट एवं जलागम प्रबन्धन–जलसंकट के लिये उत्तरदायी कारक, जलसंकट का मानव जीवन पर प्रभाव, जलसंकट के न्यूनीकरण हेतु जलागम प्रबन्धन की भूमिका, जलागम प्रबन्धन का महत्व, जलागम प्रबन्धन की चुनौतियाँ।
- दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याओं के प्रकार एवं कारण– पर्यावरणीय चुनौतियाँ, आर्थिक चुनौतियाँ, स्वास्थ्य सम्बम्धी चुनौतियाँ और आधारभूत सेवाओं तक पहुँच, दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये उत्तराखण्ड सरकार के प्रयास।
- पर्यावरण एवं पर्यावरणीय आन्दोलन : प्रमुख पर्यावरणीय आन्दोलन, कारण एवं उत्तराखण्ड के विकास में प्रभाव, चिपको आन्दोलन, राज्य के लिये संघर्ष।
- जैव विविधता एवं इसका संरक्षण–जैवविविधता के प्रकार, उत्तराखण्ड की जैव विविधता को प्रभावित करने वाले कारक, उत्तराखण्ड हिमालय एक जैव–विविधता हॉट–स्पॉट के रूप में, जैवविविधता का महत्व, जैवविविधता के खतरे/जैवविविधता की चुनौतियाँ, उत्तराखण्ड में जैवविविधता के संरक्षण के लिये प्रमुख पहल।
- उत्तराखण्ड की जनसंख्या– वितरण में विविधता, घनत्व, लिंग अनुपात एवं साक्षरता की विविधता एवं इसको प्रभावित करने वाले कारक। जनसंख्या प्रवास एवं इसके कारण तथा बाह्य–प्रवास का प्रभाव।

सांख्यिकीय विश्लेषण, आलेख एवं रेखाचित्र।

केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापों, प्रसरण की मापों, आलेखों एवं चित्रों द्वारा आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण तथा उनसे सम्बन्धित अवधारणाओं के अनुप्रयोग।

समसामायिक घटनाक्रम।

अन्तर्रराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय महत्व की समसामायिक घटनाएं खेल–कूद के साथ जो निम्नलिखित से सम्बन्धित हों :

(1) वैश्विक
(2) एशिया
(3) भारत
(4) उत्तराखण्ड

UKExamAlert.in — Uttarakhand's dedicated source for government exam notifications, admit cards, results, syllabus and exam calendars

For latest updates, admit cards, results and notifications visit:

UKPSC Lower Pcs – Notification, Syllabus & Pattern Overview

Disclaimer: This document is compiled from the official UKSSSC notification (sssc.uk.gov.in) for informational and educational purposes only. Always verify all details with the official website before taking any action.